भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1942
उत्तर देने की तारीख-19/12/2022

योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम

†1942. एडवोकेट ए. एम. आरिफ़:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार ने इस बात पर ध्यान दिया है कि दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने अंग्रेजी को वर्तमान शैक्षणिक वर्ष से योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी) के लिए भाषाओं की सूची से बाहर कर दिया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि उपरोक्त निर्णय के परिणामस्वरूप दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्रों को अन्य भारतीय भाषाओं के शिक्षकों की अनुपस्थिति में हिंदी या संस्कृत लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है;
(घ) यदि हां, तो क्या सरकार का दिल्ली विश्वविद्यालय को अंग्रेजी को एईसीसी की भाषाओं की सूची में शामिल करने का निर्देश देने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
(ङ) क्या सरकार का मलयालम सहित उन भाषा विभागों को फिर से खोलने का विचार है, जो कई वर्षों से बंद हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) से (ड.) दिल्ली विश्वविद्यालय संसद के एक अधिनियम के तहत स्थापित एक वैधानिक स्वायत्त संगठन है और दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम, 1922 और उसके तहत बनाई गई सांविधियों और अध्यादेशों द्वारा शासित है। सभी प्रशासनिक और शैक्षणिक निर्णय विश्वविद्यालय द्वारा अपने वैधानिक निकायों, जैसे कार्यकारी परिषद, अकादमिक परिषद और कोर्ट के अनुमोदन से लिए जाते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय यूजी कार्यक्रमों के लिए अंडरग्रेजुएट

करिकुलर फ्रेमवर्क 2022 (यूजीसीएफ) के माध्यम से शैक्षणिक वर्ष 2022-23 से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को कार्यान्वित कर रहा है। यूजीसीएफ के अनुसार, योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी), जिसे पहले योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी) के रूप में जाना जाता था, का प्रत्येक यूजी कार्यक्रम के पहले और दूसरे वर्ष में अध्ययन किया जाता है। एईसी में पर्यावरण अध्ययन और संविधान की आठवीं अनुसूची की 22 भारतीय भाषाएं शामिल हैं। अंग्रेजी भाषा का ज्ञान विभिन्न सेमेस्टर में कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम और जेनेरिक वैकल्पिक पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रदान किया जाता है। 68 कॉलेजों को क्लस्टर में बांटा गया है ताकि छात्रों को अधिक संख्या में पाठ्यक्रमों का विकल्प प्रदान किया जा सके। कॉलेजों में पढ़ाई जाने वाली भाषाएं छात्रों द्वारा दिए जाने वाले विकल्पों पर निर्भर हैं।

*****